तृतीय एमिटी राष्ट्रीय हिंदी आभासी न्यायालय प्रतियोगिता -२०१९
3rd Amity National Moot Court Competition -2019

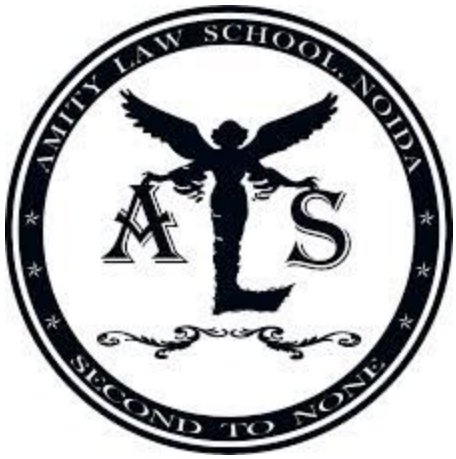

आयोजक
एमिटी विधि संस्थान
आई -२ ब्लॉक ,
एमिटी विश्विद्यालय,
सेक्टर १२५ , नॉएडा -२०१३०३ ।

शिक्षक समन्वयक
श्रीमान तुषार वेद सक्सेना

छात्र समन्वयक
वर्णिम गुप्ता
पूजा पल्लवी

वाद समस्या

वाद बिंदु की कहानी आर्यगढ़ नामक शहर पर केंद्रित है । श्री हरीश चंद्र शहर के नामी एवं रसूखदार जमींदार हैं जो की न केवल सबसे बड़े कारखाने के मालिक हैं अपितु हिन्दू राजनैतिक संघठन , राष्ट्रीय रक्षा दल के कद्दावर नेता भी हैं । उनकी दो संतान हैं जिनका नाम रूपा और कुबेर है ।

श्री अखलाख - उल - रज़्ज़ाक उक्त वर्णित कारखाने के अभीक्षक एवं श्रमिक संघ के प्रमुख नेता हैं जो कुरैशी परिवार से ताल्लुक रखते हैं और मुसलमान हैं । आर्यागढ़ एक मुस्लिम बाहुल्य शहर है जिसकी कमान कुरैशी समुदाय के हाथों में है । कुरैशी परिवार की एक शसक्त पृष्ट्भूमि एवं राजनैतिक वर्चस्व तारा -ऐ- हिन्द नामक राजनैतिक संघठन में है । अखलाख - उल - रज़्ज़ाक की दो पत्नियां थी , जिसमे पहली शादी से अशफ़ाक़ और दूसरी शादी से पुत्र गुल -हैदर और पुत्री ख़दीजा संतान की रूप में प्राप्त हुईं ।

अशफ़ाक़ और रूपा एक दुसरे से प्रेम करते थे और जब इस बात की सूचना रूपा की पिता हरीश चंद्र को हुई तो वह आग बबूला हो गए । इसी क्षणिक क्रोध की ज्वाला में उन्होंने अखलाख - उल - रज्जाक
को काम से निष्कासित कर दिया जिसका कारण उन्होंने व्यक्तिगत रखा। अखलाख - उल - रज्जाक न सिर्फ एक मुस्लिम चेहरा था अपितु श्रमिक संघ का प्रमुख नेता भी था जिसके परिणाम स्वरुप बाकि मुस्लिम कर्मी भी कारखाने से काम छोड़ कर जाने लगे । शहर के बाहर किराये पे ज़मीन लेकर वह सब साथ मिलकर सहकारी कृषि करने लगे।

अशफ़ाक़ - उल - रज़्ज़ाक को काम से निकालने के उपरांत हरीश चंद्र ने उसके पुत्र गुल हैदर को श्रमिक संघ का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया और नए कर्मियों की भर्ती हेतु और उनको लुभाने के लिए ३३ प्रतिशत की दर पे वेतन बढ़ोतरी की घोषणा की ।इससे हुआ ये कि वो जो मुस्लिम कर्मी समाज संगठित था वो अब दो भागों में बट गया था जिसमें से एक अशफ़ाक़ - उल - रज़्ज़ाक के साथ और दूसरा गुल हैदर से जुड़ गया था ।गुल हैदर तारा - ऐ - हिन्द का एक उभरता हुआ भावी युवा नेता था जिसको बहुत जल्द दल के हाईकमान की जिम्मेदारी मिलने वाली थी ।गुल हैदर की बढ़ती लोकप्रियता को देखकर हरीश चंद्र को लगा यदि उसकी पुत्री रूपा का विवाह गुल हैदर से होता है तो उसकी पकड़ मुस्लिम समाज में बढ़ जाएगी जो उसकी लिए हितकारी होगा । इसलिए उन्होंने उनकी शादी करवा दी और उन सब से अलग कुबेर और ख़दीजा ने भी शादी कर ली । रूपा जिसको रिहाना कहा जाने

लगा और लग भग एक साल के अंतराल के बाद गुल हैदर और रिहाना के पुत्र का जन्म हुआ जिसका नाम कबीर था ।कबीर का जन्म और उसकी परवरिश पूरी तरह हिन्दू घरबार और हिन्दू मूल्यों के बीच हुई ।

गुल हैदर तारा-ऐ - हिन्द का एक प्रमुख चेहरा था जिसके कारण उसको चुनाव प्रचार एवं अन्य दल सम्बन्धी कामों के लिए यात्रा करनी पढ़ती थी ।अशफ़ाक़ और रिहाना के बीच अवैध प्रेम सम्बन्ध विवाह के उपरांत भी जारी था ।एक दिन जब गुल हैदर चुनावी यात्रा से लौटकर आया तो उसकी बहन ख़दीजा ने चुगली करने के इरादे से उसको , रिहाना और अशफ़ाक़ के बीच अवैध प्रेम सम्बन्ध की जानकारी दी ।यह सुनकर उसने एक चाकू उठाया और उस बाग़ में गया जहाँ अशफ़ाक़ और रिहाना बैठे थे जाकर अशफ़ाक़ से ज़बानी तू तू में में करने लगा ।देखते ही देखते ये ज़ुबानि जंग शारीरिक हाथापाई में तब्दील हो गयी जिसमें क्रोध से तिलमिलाए गुल हैदर ने अशफ़ाक़ में चाकू भोंक दिया। ऐसा देखकर रिहाना ने गुल हैदर को बद्दुआएं दी और आश्चर्य से कहने लगी ऐसा निर्मम कृत्य कोई कैसे अपने भाई के साथ के सकता है । गुस्से में चूर गुल हैदर ने अपनी पत्नी रिहाना को भी चाकू भोंक दिया ।

उन दोनों को लहूलुहान अवस्था में अस्पताल ले जाया गया जहाँ अशफ़ाक़ ने पहुँचते ही दम तोड़ दिया और रिहाना का बहुत अधिक खून बह चुका था । गुल हैदर को अशफ़ाक़ के जुर्म में दोषी करार कर कारावास भेज दिया गया ।
अंग प्रत्यारोपण सर्जरी की विफलता और विभिन्न चोटों के कारण रिहाना भी ज़िन्दगी की जंग हार कर मर गयी । खदीजा और कुबेर पर अशफ़ाक़ और रिहाना की हत्या को बढ़ावा देने के लिए मुकदमा चलाया गया ।
<u>उक्त घटनाक्रम के पश्चात ये प्रबल सवाल उठते है कि -</u>

<u>प्रश्न १ - कबीर का संरक्षक कौन होगा : हरीश चंद्र या अखलाख - उल - रज़्ज़ाक ?</u>

<u>प्रश्न २ - क्या ख़दीजा और कुबेर पर हत्या को बढ़ावा देने का इल्ज़ाम उचित है ? हाँ और ना दोनों ही परिस्थितियों में जैसा आप सोचता हैं तर्क देकर सिद्ध करें ।</u>

<u>प्रश्न ३ - यद्यपि गुल हैदर हत्या का दोषी है , पर क्या आकस्मिक भावावेश में आकर उसके द्वारा कि गई दोनों हत्याएं एक ढ़ाल है उसके जुर्म के लिए । हाँ या ना दोनों परिस्थितियों में जैसा आपको लगता है तर्क देकर स्पष्ट करें ।</u>

ध्यान दें - स्मृतिका के निर्माण में उक्त सवालों से भिन्न शोध का पैमाना प्रशंसनीय हैं ।

अनुवादक
चैतन्य पंत